फोटो: स्टेफ़ी लेविस © ए.पी.- डब्ल्यू.डब्ल्यू.पी.

बीट कवियों का बुक स्टोर

अंजुम नईम

विश्व साहित्य के इतिहास में साहित्यिक हस्तियों के अलावा कुछ जगहें और कुछ लोग इतने महत्वपूर्ण रहे हैं कि उनके योगदान को किसी महत्वपूर्ण रचनाकार से कम नहीं आंका जा सकता। कुछ यही अहमियत सिटी लाइट्स बुक स्टोर की भी है। यह सिर्फ एक बुक स्टोर ही नहीं था बल्कि उस समय लेखकों और कवियों के लिए एक ऐसा स्थान था कि समकालीन अमेरिकी साहित्य का कोई वर्णन बिना सिटी लाइट्स बुक स्टोर के शायद ही पूरा हो पाए।

बीट पीढ़ी के पूरे बौद्धिक आंदोलन का यह बुक स्टोर न केवल केंद्र बिंदु था बल्कि नए लेखकों के लिए यह एक सफल वर्कशॉप का रूप धारण कर चुका था। *पॉकेट पोएट्स* शृंखला के शीर्षक से सिटी लाइट्स बुक स्टोर ने इस युग के अधिकतर नए और पुराने लेखकों की किताबों के लोकप्रिय संस्करण प्रकाशित किए। एक प्रकार से यह बीट कवियों का प्रकाशन संस्थान था जहां से न केवल फरलेंगेटी की पूरी रचनाएं प्रकाशित हुईं बल्कि उस समय प्रकाशित होने वाली अधिकतर लोकप्रिय पुस्तकों को पाठकों तक पहुंचाने में इस बुक स्टोर ने बहुमूल्य योगदान दिया। एलेन गिंस्बर्ग की जिस प्रसिद्ध रचना को अश्लील लेखन के आरोप में न जाने कितनी मुश्किलों से गुजरना पड़ा, वह इसी प्रकाशन संस्था से प्रकाशित हुई थी और इसके लिए फरलेंगेटी को कारावास भी हुआ था।

सिटी लाइट्स बुक स्टोर वास्तव में पीटर मार्टिन की पत्रिका 'सिटी लाइट्स' की एक विस्तृत योजना थी। मार्टिन ने 1952 में जब यह पत्रिका निकाली तो उसी समय उन्होंने योजना बनाई थी की वह इस पत्रिका के साथ एक प्रकाशन और साहित्य की पुस्तकों की एक दुकान भी शुरू करेंगे। शुरू में अकेले होने के कारण मार्टिन इस कार्य के लिए सही समय की प्रतीक्षा करते रहे। 1940 में जब मार्टिन न्यूयॉर्क से सैन फ्रांसिस्को पहुंचे और वहां उन्होंने सैन फ्रांसिस्को स्टेट कॉलेज में समाज शास्त्र का अध्यापन शुरू किया तो उनके दोस्तों को यह अंदाजा हो चला था कि मार्टिन समाज शास्त्र से अधिक साहत्यि में रूचि रखते हैं। जब 1952 में उन्होंने पहली पॉप पत्रिका निकाली तो अचानक पूरे देश में नए लिखने वालों का आकर्षण उनकी ओर केंद्रित हो गया। फिर उनके प्रकाशन संस्थान ने उभरते हुए कलाकारों रॉबर्ट डंकन, जैक स्पाइसर, फिलिप लेमानिटा, लॉरेंस फरलेंगेटी और फिल्म आलोचक पॉवलीन काईल की रचनाएं प्रकाशित कीं तो बीट आंदोलन से खुद को जोड़ने वाले रचनाकारों का यह एक केंद्र बन गया।

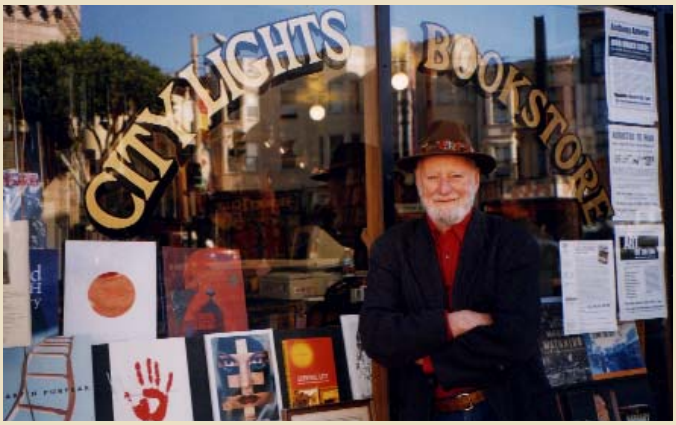

फरलेंगेटी को मार्टिन का साथ खूब जंचा। ऐसा लगता है कि उन्होंने जीवन का एक नया उद्देश्य तलाश कर लिया था। इसलिए जब दोनों ने मिलकर सिटी लाइट्स बुक स्टोर की एक नई योजना बनाई तो उसे अन्य मित्रों और शुभचिंतकों का भी सहयोग मिला। उभरते हुए नवलेखकों की पुस्तकों के पेपरबैक कम कीमतों में पाठकों तक पहुंचाने का विचार वैसे तो मार्टिन ही का था लेकिन इस सपने को साकार करने में फरलेंगेटी ने अपनी साहित्यिक लोकप्रियता और जान-पहचान का पूरा लाभ उठाया। वास्तव में फरलेंगेटी के मस्तिष्क में एक ऐसे प्रकाशन संस्थान की योजना उसी समय से घूम रही थी जब से उनके व्यावहारिक जीवन के प्रारंभिक दिनों में उनके एक अच्छे मित्र जॉर्ज व्हिटमैन ने पेरिस में इसी प्रकार की एक बहुत बढ़िया दुकान खोली थी। शायद किसी के विचार में भी नहीं आया होगा कि 1953 में एक बहुत छोटे कमरे से शुरू होने वाली यह प्रकाशन संस्था और किताबों की यह दुकान साहित्य के इतिहास में इतनी महत्वपूर्ण हो जाएगी। दोनों ने अपनी-अपनी ओर से 500 डॉलर लगाकर इस संस्था की स्थापना की थी और इस समय ऐतिहासिक लोकप्रियता और ख्याति के साथ करोड़ों डॉलर की यह संस्था अपनी पूरी चमक-दमक के साथ ज्ञान और कला का प्रकाश स्तंभ बन गई है।

फरलेंगेटी के इस विचार से कोई मतभेद नहीं रख सकता कि सैन फ्रांसिस्को में सिटी लाइट्स बुक स्टोर के अलावा कोई दूसरी ऐसी जगह नहीं है जहां पूरी एक पीढ़ी का बौद्धिक प्रशिक्षण इस प्रकार हुआ हो। सिटी लाइट्स के चलते बीट पीढ़ी में एक आंदोलन खड़ा हो गया और वह आंदोलन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साहित्यिक और सामाजिक जीवन में अपनी पूरी पहचान के साथ सालों तक चमकता रहा। □